धोनी की वजह से नहीं हुई सेंचुरी

गंभीर ने कहा था कि जब वह फाइनल में 97 के स्कोर पर पहुंचे तब उनका ध्यान अपने स्कोर पर नहीं बल्कि टारगेट पर था। उन्होंने कहा, जब ओवर खत्म हुआ तब उन्होंने मुझसे कहा कि सिर्फ तीन रन बचे हैं और तुम ये तीन रन पूरे कर लो और तुम्हारी सेंचुरी बन जाएगी। गंभीर ने कहा कि अगर धोनी मुझे मेरे स्कोर के बारे में याद नहीं दिलाते तो मैं आसानी से तीन रन पूरे कर लेता। उनके याद दिलाने के बाद मैं तीन रन को लेकर जरूरत से कुछ ज्यादा ही सावधान हो गया और थिसारा परेरा की गेंद पर एक खराब शॉट खेलकर आउट हो गया।

वर्ल्ड कप फाइनल की तस्वीर से पूर्व बल्लेबाज नाराज

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। साल 2011 में महेंद्र सिंह धोनी द्वारा लगाए गए विजयी छक्के के लिए श्जुनूनश को लेकर भारतीय टीम के पूर्व बल्लेबाज गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर निशाना साधा है। गंभीर ने कहा है कि टूर्नमेंट पूरी टीम और सपॉर्ट स्टाफ के सहयोग से जीता गया था।

वर्ल्ड कप 2011 की जीत के नौ साल पूरा होने पर एक क्रिकेट वेबसाइट ने धोनी की उस तस्वीर को पोस्ट किया था। उस वेबसाइट ने कैप्शन दिया था– वह शॉट जिसने करोड़ों लोगों को खुशी में झूमने पर मजबूर कर दिया।

गंभीर को यह बात नगवार गुजरी। वर्ल्ड कप फाइनल की बात करें तो गंभीर भारतीय टीम के अहम खिलाड़ी रहे हैं। साल 2007 में टी20 वर्ल्ड कप में उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हाफ सेंचुरी लगाई थी। वहीं 2011 के खिताबी मुकाबले में उन्होंने 97 रनों की पारी खेली थी। जब टीम को जरूरत थी तो बाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने शानदार खेल दिखाया था। उनकी पारी ने भारत को 275 का लक्ष्य हासिल करने में मदद की थी।

भारतीय टीम ने वीरेंदर सहवाग और सचिन तेंडुलकर के विकेट जल्दी खो दिए थे लेकिन इसके बाद गंभीर ने पहले विराट कोहली और महेंद्र सिंह धोनी के साथ उपयोगी साझेदारियां की थीं। सहवाग पहले ही ओवर में आउट हो गए थे और सचिन 18 रन बनाकर पविलियन लौटे थे।`

विंबलडन भी रद्द, वर्ल्ड वॉर–2 के बाद पहली बार हुआ ऐसा

महासंकट

अब यह ग्रैंड स्लैम 28 जून से 11 जुलाई, 2021 में खेला जाएगा

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी के कारण बुधवार को विंबलडन रद्द कर दिया गया। दूसरे विश्व युद्ध के बाद पहली बार यह सबसे पुराना ग्रैंड स्लैम टेनिस टूर्नमेंट रद्द किया गया है। ऑल इंग्लैंड क्लब ने आपात बैठक के बाद यह घोषणा की कि इस साल यह टूर्नमेंट नहीं होगा। अब यह ग्रैंड स्लैम 28 जून से 11 जुलाई, 2021 में खेला जाएगा। कोविड–19 के कारण विश्व भर की खेल प्रतियोगिताएं प्रभावित हुई हैं। फ्रेंच ओपन पहले ही आगे खिसका दिया गया है, जबकि सात जून तक सभी प्रतियोगिताएं रद्द कर दी गई हैं।

ऑल इंग्लैंड क्लब ने आपात बैठक के बाद यह घोषणा की कि इस साल यह टूर्नमेंट नहीं होगा। यह टूर्नमेंट पहली बार 1877 में खेला गया और उसके बाद से हर साल होता आया है। सिर्फ 1915 से 1918 के बीच प्रथम विश्व युद्ध के दौरान और 1940 से 1945 के बीच दूसरे विश्व युद्ध के दौरान यह नहीं खेला गया।

विंबलडन 29 जून से शुरू होना था जहां नोवाक जोकोविच और सिमोना हालेप को अपने एकल खिताब का बचाव करने के लिए उतरना था, लेकिन इस टूर्नमेंट को रद्द करने का फैसला किया गया है, क्योंकि विश्व कोविड–19 महामारी को फैलने से रोकने में नाकाम रहा है। इस वायरस से दुनिया भर में 840,000 से अधिक लोग संक्रमित हैं और 40,000 से अधिक की मौत हो चुकी है।

आयोजकों ने किया था इस बात से इनकार: उल्लेखनीय है कि आयोजकों ने पहले विंबलडन को दर्शकों के खाली स्टेडियम में करवाने से इनकार किया था।

तीन बार के विंबलडन चौंपियन बोरिस बेकर ने मंगलवार को टूर्नमेंट के आयोजकों से फैसला करने से पहले इंतजार करने की अपील की थी। बेकर ने ट्वीट किया था, 'मुझे पूरा विश्वास है कि विंबलडन फैसला करने से पहले अप्रैल के आखिर तक इंतजार करेगा।'

शायद ही विंबलडन खेल पाएं सेरेना और फेडरर: विंबलडन के रद्द होने का मतलब माना जा रहा है कि कई बार के चौंपियन रोजर फेडरर, सेरेना विलियम्स और वीनस विलियम्स ऑल इंग्लैंड क्लब में अपना आखिरी मैच खेल चुके हैं। फेडरर और सेरेना 2021 की चौंपियनशिप तक लगभग 40 साल के हो जाएंगे, जबकि वीनस 41 वर्ष की हो जाएगी। पिछले साल फाइनल में हालेप से हारने वाली सेरेना के नाम पर अभी 23 ग्रैंड स्लैम खिताब हैं और उन्हें मारग्रेट कोर्ट के रेकॉर्ड की बराबरी के लिए एक खिताब की जरूरत है।

तोक्यो ओलंपिक स्थगित होने से खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति गड़बड़ाई

लुसाने। चीन से फैले घातक कोरोना वायरस महामारी के कारण तोक्यो ओलिंपिक के स्थगित और खेल गतिविधियां ठप्प होने से अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों की वित्तीय स्थिति प्रभावित हो रही है। कई ऐसे खेल हैं जो ओलिंपिक का हिस्सा हैं और अपनी कमाई के लिए अंतरराष्ट्रीय ओलिंपिक समिति (आईओसी) से हर चार साल में मिलने वाली धनराशि पर निर्भर हैं। एक प्रमुख अंतरराष्ट्रीय महासंघ के अधिकारी ने कहा, 'स्थिति तनावपूर्ण और निराशाजनक है। मूल्यांकन किया जाएगा लेकिन कई की नौकरियां खतरे में हैं।' तोक्यो ओलिंपिक में 28 अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों को उपस्थित होना था और उन्हें आईओसी से पर्याप्त धनराशि मिलनी थी। खेलों के 2021 तक स्थगित होने से उन्हें अभी यह धनराशि नहीं मिल पाएगी।

वर्ल्ड कप जीत के बाद सचिन को लेकर कही कोहली की वह बात करती है इमोशनल

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज)

मुंबई। दो अप्रैल 2011 का दिन भारतीय क्रिकेट में हमेशा याद किया जाएगा। मुंबई का वानखेडे मैदान। नुआन कुलासेकरा की गेंद। महेंद्र सिंह धोनी का वह सिक्स... और भारत वर्ल्ड चौंपियन। लगभग 28 साल बाद। खुशी के आंसुओं से नम थीं करोड़ों आंखें। उसमें शामिल थे क्रिकेट का भगवान कहे जाने वाले सचिन तेंडुलकर।

दस साल के सचिन ने जब कपिल देव को लॉर्ड्स की बालकनी में प्रूडेंशल कप थामे देखा था तभी तय कर लिया था कि अब क्रिकेटर ही बनना है। पहले उनके जेहन में क्रिकेट और टेनिस को लेकर दुविधा रहती थी पर उस लम्हे ने सचिन और उस पीढ़ी की दिशा बदल दी। अब साल बाद सचिन टीम के सबसे सीनियर खिलाड़ी थे। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 22 साल का सफर पूरा कर चुके थे सचिन। अपना छठा वर्ल्ड कप खेल रहे थे। और आखिरी भी। वर्ल्ड कप से पहले और दौरान भी कई क्रिकेटर कहते नजर आए कि यह विश्व कप सचिन पाजी के लिए जीतना है।

सचिन टीम के लिए क्या थे, यह विराट कोहली के बयां से समझिए। आज टीम के कप्तान उस समय सबसे युवा खिलाड़ी थे। जीत के बाद टीम के खिलाड़ियों ने सचिन को कंधे पर बैठाकर पूरे मैदान का चक्कर लगाया था।

इसके बाद कोहली ने कहा, सचिन तेंडुलकर ने भारतीय क्रिकेट को 21 साल तक अपने कंधे पर उठाया है।

सामान डिलीवर नहीं होने पर वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर पूछा– कंपनी है या बंद हो गई?

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस के कारण दुनियाभर में लोग परेशान हैं और इसी के चलते ज्यादातर कंपनियां सामान डिलीवर करने में असमर्थता जता रही हैं। इसी बीच ऑस्ट्रेलिया के स्टार बल्लेबाज और पूर्व उप–कप्तान डेविड वॉर्नर को एक कंपनी ने परेशान कर दिया है। वॉर्नर ने सोशल मीडिया पर इस कंपनी को टैग कर सवाल पूछा है। वॉर्नर ने इंस्टाग्राम पर उस कंपनी का पेज भी शेयर किया है। जिम डायरेक्ट नाम की यह कंपनी ऑस्ट्रेलिया में जिम से जुड़े सामान और अन्य चीजें डिलीवर करती है।

वॉर्नर ने लिखा, क्या कोई भी जानता कि यह कंपनी है या बंद हो चुकी है? मैंने कुछ सामान ऑर्डर किया था लेकिन ना तो मुझे मिला और अब उनके फोन भी काम नहीं कर रहे। वॉर्नर ने उस कंपनी के इंस्टाग्राम पेज को भी टैग किया। उनके इस पोस्ट पर लोगों ने जवाब भी दिए। एक यूजर ने लिखा, श्कोरोना वायरस के कारण ऑस्ट्रेलिया में भी लोग परेशान हैं और ऐसा भी हो सकता है कि इस कंपनी को सामान डिलीवर करने में कोई परेशानी हो रही हो। एक अन्य यूजर ने ट्विटर पर कंपनी की वेबसाइट का फोटो भी शेयर किया।

न्यूज डायरी

हरभजन सिंह की सोशल मीडिया पर अपील, कोई धर्म, जाति नहीं.. केवल मानवता

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में खेल जगत की दिग्गज हस्तियां आगे आई हैं और सोशल मीडिया पर देशवासियों से घर पर सुरक्षित रहने की अपील कर रही हैं। भारत के अनुभवी ऑफ स्पिनर हरभजन सिंह ने भी सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों से एक अपील की जहां उन्होंने नफरत नहीं करने और प्यार फैलाने के लिए कहा।

हरभजन ने इस मुश्किल समय में लोगों की मदद करते हुए अमेरिका में एक एनजीओ को दिखाने वाली एक वीडियो क्लिप शेयर की। उन्होंने साथ ही लिखा, श्कोई धर्म नहीं, कोई जाति नहीं, केवल मानवता.. सुरक्षित रहें, घर पर रहें। प्यार फैलाएं, नफरत या वायरस नहीं.. हर किसी के लिए प्रार्थना करें.. वाहेगुरु सभी को आशीर्वाद दें। फैंस के बीच भज्जी नाम से मशहूर हरभजन की अपील ऐसे समय में की गई जब पाकिस्तानी क्रिकेटर शाहिद अफरीदी की फाउंडेशन का सपॉर्ट करने पर वह ट्रोलर्स के निशाने पर आ गए थे।

कोरोना के खिलाफ जंग में 25 लाख रुपये की मदद करेगा हॉकी इंडिया

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने कोरोनावायरस महामारी के खिलाफ लड़ाई में प्रधानमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये का योगदान करने का फैसला किया है। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष मोहम्मद मुश्ताक अहमद ने बुधवार को एक बयान में कहा कि संकट के इस मुश्किल समय में इससे लड़ने के लिए एकजुट होने और एक जिम्मेदार नागरिक के अपने कर्तव्यों का निर्वहन करने की जरूरत है। हॉकी इंडिया कार्यकारी बोर्ड ने प्रधानमंत्री राहत कोष में 25 लाख रुपये के योगदान देने का सर्वसम्मत फैसला किया है। उन्होंने कहा, 'देश के लोगों से हॉकी को हमेशा से बहुत प्यार और समर्थन मिलता रहा है और हम अपने देशवासियों को इस महामारी पर विजेता के रूप में देखने के लिए अपनी तरफ से जो भी कर सकते हैं वह करना चाहते हैं।'

ओलिंपिक खिसकने से दुती चंद के सामने खुद को फिट रखने की चुनौती

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। भारतीय स्प्रिंटर दुती चंद ने पिछले साल ओपन नैशनल चौंपियनशिप में 100 मीटर रेस में अपने ही राष्ट्रीय रेकॉर्ड को और बेहतर किया, लेकिन वह ओलिंपिक क्वॉलिफिकेशन से 0.07 सेकंड दूर रह गईं। इसके बाद उन्होंने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में भी गोल्ड जीता, लेकिन टाइमिंग बेहतर नहीं हुई। दुती इससे परेशान हो रही थीं क्योंकि जैसे–जैसे तोक्यो ओलिंपिक गेम्स करीब आ रहे थे, कड़ी मेहनत के बावजूद उनके क्वॉलिफिकेशन की उम्मीदें कमजोर पड़ती जा रही थीं। अब ओलिंपिक खेलों के एक साल टलने की खबर ने उनकी ओलिंपिक खेलने की उम्मीदों को एक बार पंख दे दिए हैं। देश की इस शीर्ष स्प्रिंटर का मानना है कि सभी ऐथलीट्स के लिए यह एक साल बहुत मायने रखेगा। कुछ को अतिरिक्त वक्त से फायदा होगा वहीं कुछ के लिए यह नई चुनौतियां पैदा करेगा। लॉकडाउन के दौरान भुवनेश्वर में अपने घर में रह रहीं दुती मनमाफिक अभ्यास नहीं कर पा रही हैं।

जब तक ओलिंपिक चौंपियन नहीं बनूंगी तब तक हार नहीं मानूंगीः मेरी कॉम

एजेंसी (वेब वार्ता न्यूज) नई दिल्ली। छह बार की विश्व चौंपियन भारत की अनुभवी महिला मुक्केबाज एमसी मेरी कॉम ने बुधवार को कहा कि ओलिंपिक में देश के लिए पदक जीतना उनका सपना है और जब तक वह अपने इस लक्ष्य को हासिल नहीं कर लेती तब तक अपना सर्वश्रेष्ठ देना जारी रखेंगी। मेरी कॉम ने 2012 के लंदन ओलिंपिक में 51 किग्रा वर्ग में कांस्य पदक जीता था। वहीं, रियो ओलिंपिक के लिए वह क्वॉलिफाइ करने से चूक गई थीं। उन्होंने पिछले महीने ही जॉर्डन में संपन्न एशिया ओसिनिया बॉक्सिंग ओलिंपिक क्वॉलिफायर में तोक्यो ओलिंपिक का टिकट हासिल किया था, जिसे कोरोना वायरस के कारण अगले साल तक के लिए टाल दिया गया है। मेरी कॉम ने भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लिए फेसबुक लाइव में कहा, 'मेरा ध्यान ओलिंपिक खेलों में भारत के लिए स्वर्ण पदक जीतना है। मैं इस उम्र में भी कड़ी मेहनत कर रही हूं।